पत्रांक:—भ0 / अभि0प्र0 (यो0)—07 बैठक—09 / 2013 (खण्ड).................. 5274 (भ)

बिहार सरकार
भवन निर्माण विभाग

प्रेषक,

लक्ष्मी नारायण दास
अभियंता प्रमुख—सह—अपर आयुक्त—सह—विशेष सचिव
भवन निर्माण विभाग, बिहार पटना

सेवा में,

सभी मुख्य अभियंता
सभी अधीक्षण अभियंता
सभी कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना

पटना, दिनांक:....31/5/18

विषय:— राज्य में संचालित किये जा रहे योजनाओं में 100% फ्लाई ऐश ईंट के उपयोग के संबंध में।

प्रसंग:— पर्यावरण एवं वन विभाग के ज्ञापांक—499(ई0) दिनांक—04.05.2018 एवं विभागीय पत्रांक—1557(भ0) दिनांक—19.02.2018

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुए कहना है कि पर्यावरण एवं वन विभाग के पत्रांक—131 दिनांक—30.03.2015 द्वारा निदेशित किया गया था कि सभी विभागों / एजेंसीयों द्वारा कार्यान्वित किये जा रहे सभी कार्य योजनाओं में फ्लाई ऐश ईंट का 100% उपयोग किया जाय। तदालोक में भवन निर्माण विभाग द्वारा 100% फ्लाई ऐश ईंट का उपयोग किये जाने हेतु निदेश दिया गया। परन्तु कई भवनों प्रमडलो से फ्लाई ऐश ईंट की पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता नहीं होने की सूचना प्राप्त हुयी, जिसके कारण कार्य योजनाओं को ससमय पूर्ण कराने में हो रही कठिनाई के संदर्भ में विभागीय पत्रांक—10725(भ0) दिनांक—30.11.17 द्वारा 50% तक चिमनी उत्पादित लाल ईंट का प्रयोग निर्माण कार्य योजनाओं में करने हेतु अनुरोध पर्यावरण एवं वन विभाग, पटना से किया गया था। पर्यावरण एवं वन विभाग ने अपने पत्रांक—45(ई0) दिनांक—15.01.18 द्वारा राज्य में फ्लाई ऐश के उपयोग के अनुश्रवण हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति दिनांक—11.01.18 की बैठक की कार्यवाही संलग्न करते हुये कार्यवाही की कंडिका—4 में फ्लाई ऐश ईंट का 100% उपयोगिता की बाध्यता को शिथिल किये जाने के निर्णय के अनुरूप कार्रवाई किये जाने की सहमति प्रदान की गयी। उक्त के आलोक में विभागीय पत्रांक 1557 (भ0) दिनांक 19.02.2018 द्वारा संबंधित को निदेश दिया गया कि निर्माण कार्य योजनाओं में न्युनतम 50% तक फ्लाई ऐश ईंट का उपयोग किया जाय।

पुनः पर्यावरण एवं वन विभाग ने अपने ज्ञापांक 499(ई0) दिनांक—04.05.2018 द्वारा राज्य में फ्लाई ऐश के उपयोग के अनुश्रवण हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की दिनांक—19.04.2018 की बैठक में लिये गये निर्णय में संसूचित किया है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के एस0ओ0—254(ई0) दिनांक 25.01.2016 के आलोक में कार्रवाई की जाय।

तदआलोक में निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्य योजनाओ में 100% फ्लाई ऐश ईट का उपयोग किया जाय।

संबंधित को निदेश दिया जाता है कि सभी निर्माण कार्य योजनाओं में 100% फ्लाई ऐश ईंट का उपयोग दृढ़ता से किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

अनु0—यथोक्त

विश्वासभाजन
30/5/18
— (लक्ष्मी नारायण दास)
अभियंता प्रमुख—सह—अपर आयुक्त—सह—विशेष सचिव

ज्ञापांकः– भ0 / अभि0प्र0 (यो0)–07 बैठक–09 / 2013 (खण्ड)– 5274 (M) पटना, दिनांक– 31/5/18

प्रतिलिपि–आई0 टी0 मैनेजर, भवन निर्माण विभाग को विभागीय बेवसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

30/5/18

अभियंता प्रमुख–सह–अपर आयुक्त–सह–विशेष सचिव

Minutes of the meeting of State Level Monitoring Committee for Fly Ash Utilisation held on 19.04.2018 under the Chairmanship of Principal Secretary, Environment and Forest, Government of Bihar.

A meeting of the State Level Monitoring Committee constituted by the Department of Environment and Forest, Government of Bihar for monitoring the implementation of the provisions in the notification of MoEF, Government of India inregards to the 'Utilisation of Fly Ash' was held under the Chairmanship of the Principal Secretary, Environment and Forest, Government of Bihar at Aranya Bhawan on 19.04.2018. A list of officials present in the meeting is annexed as 'Annexure- 1'.

1. Representatives from all units of the N.T.P.C in Bihar, related State Govt. Departments, Fly Ash brick Manufacturers and NGO, Development Alternatives were present at the meeting.
2. Representative from RCD intimated that they have started to incorporate the conditions of Fly Ash use in the DPR of their Projects. He wanted to know the procedure for procurement of Ash and details of proper contact person of the NTPC so as to enable the department to crosscheck the use of Fly Ash in the Road Projects.
3. Representatives from WRD& Mines departments wanted to know about the use of Fly Ash in projects of their department.
4. Department of Building Construction, Government of Bihar vide its letter dated 18.04.2018 has informed that :
   (i) Large no. of schemes of building construction have been sanctioned in the State but insitu availability of Fly Ash bricks is not there and the same have to be brought from large distances. In some places it is more than 150 Kms.
   (ii) Due to increased lead the Fly Ash bricks cost Rs.7563.84/- per thousand against the S.O.R. of Rs.6454.27 leading to over expenditure of Rs.1109.57 per thousand.

(iii) Apart from cost escalation the availability of quality products is also a problem.

In view of aforesaid reasons, use of traditional(red) bricks is a compulsion for completing the large number of building projects sanctioned by the department.

5. Representative of Fly Ash Brick manufacturers expressed concern that due to lack of demand the industry is perishing.

6. Suggestions were given by stakeholders that Fly Ash product manufacturer association should launch its portal giving details of availability of products at various units together with the GPS location and quantity of products so that the consumers may have information about the materjals. Alternatively the BSPCB offered to host the details about the unitwise information on it's portal till the association launches it's own portal.

7. The data regarding production and supply of fly ash to relevant stakeholders from 2014-15 to 2017-18 was placed before the committee. This shows that about 66% of the Fly Ash is lying unutilized with the TPPs in the State. A future plan has also been prepared by the NTPC to achieve 100% utilization by the year 2022-23 but this does not include the balance of about 180 (LMT) of Fly Ash.

8. To begin with, the representatives of different sectors were appraised with potential use of Fly Ash/ Fly Ash products in various sectors.

9. The NTPC intimated that it has developed its portal having name and designation of the officer in charge of Ash supply of all the TPPs. in the State. In case of any difficulty Mr. Pankaj Kumar, AGM(EMG), may be contacted at 09431215232(pankajkumar02@ntpc.co.in).

10. Representative of Development Alternatives provided GPS locations of the Fly Ash product units in the State which shows that sincere efforts may remove the bottle neck in availability of products at district level.

11. The main concern of the Committee is to achieve 100% utilization of Fly Ash generated by TPPs in the state. In view of the situation afore mentioned, the monitoring committee decides that:

(i). the use of Fly Ash in all Govt. projects will be ensured within a radius of three hundred kilometers from a coal or lignite based thermal power plant as per the Fly Ash utilization notification of the MoEF&CC and its amendment vide S.O. 254(E) dated 25.01.2016 so far as primary consumption is concerned .

(ii). Use of Fly Ash based products will be ensured in all government construction schemes subject to availability of quality products. Easy access and availability of quality products at compatible rates will automatically address the concern of the Fly Ash based product manufacturers.

(iii).the BCD may revisit it's SOR and revise the rate for the sake of environment, if it finds that the quality Fly Ash products cost slightly more than the other products.

(iv).the NTPC will ensure 100% utilization of Ash generated by TPPs located in Bihar as per plan submitted by it including the balance stock at the end of the year 2017-18 which is about 180 LMT.

25/4/18

(Tripurari Sharan)
Principal Secretary, Environment and Forest,
Government of Bihar and Chairman
State Level Monitoring Committee.

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

ज्ञापांकः वन/पर्या० – 52/2002(खंड) 1199 (S) /व०प०, पटना–15, दिनांक 04/05/18

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव/सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना/कृषि विभाग, बिहार, पटना/जल संसाधन विकास विभाग, बिहार, पटना/भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना/पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार, पटना/लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना/अध्यक्ष, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना/सदस्य सचिव, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना/उप प्रबंधक, एन०टी०पी०सी०, बाढ़, पटना/क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, (पूर्वी–1) एन०टी०पी०सी०, लि०/लोक नायक जयप्रकाश भवन, द्वितीय तल (डाकबंगला चौराहा), पटना–800001/कहलगाँव, क्षेत्रीय निदेशक, पूर्वी क्षेत्र, पटना/मुख्य अभियंता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लि०, पटना/कार्यपाल अभियंता, भवन निर्माण विभाग, पटना/महाप्रबंधक, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लि०, पटना/ प्रोजेक्ट निदेशक, डी०पी०ए०पी०आर०डी०, बिहार, पटना/आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना/प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम, बिहार, पटना/वरीय निदेशक, डवलपमेंट अलटरनेटिव्स, बी०–32, तारा क्रीसेंट, कुतब इन्सीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–1100016/अध्यक्ष/सचिव, फ्लाई ऐश ब्रिक मेनुफेक्चर, दुसरा तल्ला गीताजंली हाऊस, दानापुर, खगौल रोड़, नियर, सगुनामोड़, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

3/5/18
(मोख्तारूल हक)
परामर्शी